

S. S. College, Jehanabad

Class - M.A. (Psychology) Semester - II

Subject - Psychology Paper - VII (Psychometrics)

Teacher's Name - Dr. Viveka Hand Sharma

Date: - 15.07.2020

Topic - Non-Parametric Statistics.

सांख्यिकीय परीक्षणों के अंतर्गत
सांख्यिकी के विभिन्न प्रकार के परीक्षणों का प्रयोग
एक व्यवस्था (organization), उपचार (treatment), विश्लेषण -
(analysis) पर सांख्यिकी (interpretation) और अंतर्गत है। सांख्यिकी
के द्वारा प्राप्त आंकड़ों पर परीक्षणों के द्वारा प्राप्त आंकड़ों
के अर्थों को समझने में सांख्यिकी के द्वारा प्राप्त आंकड़ों के अर्थ
को समझने में सांख्यिकी के द्वारा प्राप्त आंकड़ों के अर्थ
को समझने में सांख्यिकी के द्वारा प्राप्त आंकड़ों के अर्थ :-

① पैरामीट्रिक सांख्यिकी (Parametric statistics)

② अपरामीट्रिक सांख्यिकी (Non-parametric statistics)

इन दोनों प्रकार की सांख्यिकी विधियों में
जहाँ एक ही समूह (sample) के अंतर्गत है।
Non-Parametric Statistics के अंतर्गत परीक्षणों के अंतर्गत
एक ही प्रकार के अंतर्गत है और सामान्य (Normal) नहीं
होता है। एक ही अपरामीट्रिक सांख्यिकी विचारों के अंतर्गत है
एक ही सांख्यिकी के अंतर्गत है। सांख्यिकी के अंतर्गत है।
एक ही सामान्यता नहीं है कि वह सामान्य-सूचक (assumption free)
है। एक ही सांख्यिकी के अंतर्गत है। सांख्यिकी के अंतर्गत है।
एक ही सांख्यिकी के अंतर्गत है। Peter Stratton & Nancy
Hayes (1991) के अंतर्गत है। "Non-parametric
Statistics refers to statistical techniques
which do not require that the data should fit
requirements such as interval scaling and normal
distribution"

अपरामीट्रिक सांख्यिकी के अंतर्गत है।
एक ही सांख्यिकी के अंतर्गत है। सांख्यिकी के अंतर्गत है।
एक ही सांख्यिकी के अंतर्गत है।

③ अपरामीट्रिक सांख्यिकी के अंतर्गत है।

(ii) इस विलेखी के लिए आंकड़ों का प्रकाश में किया जाना की विश्लेषण का प्रकार आकस्मिक नहीं है। इसका कारण है की यह प्रयोगकर्ता के ही द्वारा बनाई है जहाँ प्रकाश में किया जा रहा है कि विलेखी का प्रकार होता है।

(iii) अत्यन्त-विलेख विलेखी का कारण है कि इसका प्रकाश में किया जाता है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति द्वारा बनाई है वही प्रत्येक के प्रयोगकर्ता द्वारा बनाई है।

(iv) इस विलेखी की एक विशेषता यह भी है कि इसका प्रकार यह कि आकस्मिक प्रकाश (ordinal data) में प्रयोगकर्ता है। इस प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश Nominal data में प्रकाश होता है।

इस प्रकार प्रकाश है कि अत्यन्त-विलेखी की प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है। Kurtz & Mayo (1979) के अनुसार विलेखी की 'shortcut statistics' का है। median, Percentile, Spearman's Rank-difference method, Kendall's Rank-difference method, Mann-Whitney U-Test सभी अत्यन्त-विलेखी के प्रकार हैं।

Advantages of Non-Parametric Statistics:

- अत्यन्त-विलेखी के कुछ गुणों का प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रयोगकर्ता है: -
 - (i) अत्यन्त-विलेखी के प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है।
 - (ii) अत्यन्त-विलेखी के प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है।
 - (iii) विलेखी के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है।
 - (iv) जो प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है।
 - (v) अत्यन्त-विलेखी का प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है।
 - (vi) जो प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है कि विलेखी प्रयोगकर्ता के द्वारा प्रकाश में किया जाता है।

के लिये ही बनाई जा रही है वही अनामिक विवेक है
के अभाव में ही विवेक बना रहा है।

अनामिक विवेक के अभाव में अनामिक विवेक
के अभाव में ही विवेक बना रहा है।

(i) अनामिक विवेक का अभाव अनामिक विवेक है।
वही अनामिक विवेक का अभाव है। (Garrett, 1967)।

(ii) अनामिक विवेक का अभाव अनामिक विवेक है,
वही अनामिक विवेक का अभाव है।

(iii) Siegel (1956) के अनुसार अनामिक विवेक
के अभाव में ही विवेक बना रहा है।

Bradley (1968) के Parametric Statistics
वही Non-parametric Statistics के अभाव में ही विवेक बना रहा है।

(i) अनामिक विवेक (Simplicity of deviation) :-
अनामिक विवेक का deviation अनामिक विवेक का deviation
के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक का deviation
का deviation है अनामिक विवेक के अभाव में ही विवेक बना रहा है।
अनामिक विवेक का deviation है अनामिक विवेक के अभाव में ही विवेक बना रहा है।
Combinational (संयोजक), अनामिक विवेक के अभाव में ही विवेक बना रहा है।

(ii) अनामिक विवेक का अभाव (Ease of application) :-
अनामिक विवेक के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक का अभाव
के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक का अभाव
(Ranking, counting, विवेक, addition (जोड़) वही अनामिक
(Subtraction)। अनामिक विवेक के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक
के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक के अभाव में ही विवेक बना रहा है।

(iii) अनामिक विवेक की गति (Speed of application) :-
अनामिक विवेक के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक का अभाव
के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक का अभाव
के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक का अभाव
के अभाव में ही विवेक बना रहा है।

(iv) मापन के प्रकार (Type of measurement) :- अनामिक विवेक
के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक का अभाव
के अभाव में ही विवेक बना रहा है। अनामिक विवेक का अभाव
के अभाव में ही विवेक बना रहा है।

आंकड़ों या भी दिए जाते हैं। प्राथमिक स्तरों की संख्या में अंतराल आंकड़ें (Interval data) या अनुपातिक आंकड़ें (Ratio data) की संख्या होती है। सामान्य आंकड़ों को ordinal scale कहा जाता है। नामिक आंकड़ें nominal scale की श्रेणी होती हैं। अंतराल आंकड़ें या अनुपातिक आंकड़ें को अंतराल मापनी (Interval Scale) तथा अनुपातिक मापनी (Ratio Scale) के नाम से भी कहते हैं, जो अक्सर आपस में आसानी से प्रायः भिन्न हो सकते हैं।

⑤ अनुप्रयोग की गति (Speed of application) :- एक परिवर्तन का आकार कोटल होना है या moderate होना है, न कि तेजी परिवर्तन में अनुपातिक स्तरों की संख्या या प्राथमिक स्तरों की संख्या का ही अनुप्रयोग होना है तथा तेजी से लाभ दिए जा सकते हैं।

⑥ प्रतिक्रियाओं का आकार और उनकी ही सुप्रभावता (Susceptibility to violation of assumption) :- अनुपातिक स्तरों की प्रतिक्रियाएं कम-से-कम बिखरती होती हैं। अतः किसी भी मापन को कम-से-कम आसानी से लागू करना कम-से-कम होता है। प्रायः प्राथमिक स्तरों की बहुत सी प्रतिक्रियाएं होती हैं जो लागू करना कम-से-कम होती हैं कि इनके प्रयोग में आसानी को उनकी कुछ प्रतिक्रियाओं का आकार को देते। Bradley ने यह कहा कि अनुपातिक स्तरों में कुछ आसानी से बहुत आसानी से पकड़ा जा सकता है लेकिन प्राथमिक स्तरों में तेजी आसानी से।

⑦ परिवर्तन के आकार का प्रभाव (Influence of Sample Size) :- एक परिवर्तन का आकार कोटल होना है अर्थात् $N=10$ या उससे कम होना है, न कि तेजी परिवर्तन में अनुपातिक स्तरों की प्रयोग प्राथमिक स्तरों की अपेक्षा आसानी से ही होना है। इस बात की परिवर्तन में प्राथमिक स्तरों की प्रतिक्रियाओं की अंतराल सामान्य से होती है कि नए तेजी स्तरों में अनुपातिक स्तरों परामेटरिक स्टैटिस्टिक्स की अंतराल अपेक्षा से कम-से-कम होना है।

⑧ स्तरों की प्रभाव (Statistical efficiency) :- किसी स्तर या प्रयोग में प्रायः आंकड़ों का विस्तार होने से जो मात्रा प्राप्त हो-सकती है उससे हुए यह हो जा सकता है कि Non-parametric Statistics प्राथमिक स्तरों की अंतराल अपेक्षा से अधिक सुविधापूर्ण है। स्तरों की प्रभाव के अंतराल आसानी से।

1. कक्षा में प्रयुक्त होने वाले विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर प्रयुक्त होने वाले विधियों को क्या कहेंगे?

इसका उत्तर निम्नलिखित है -
 1. बड़े संदर्भ के लिए प्राथमिक विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं।
 2. छोटे संदर्भ के लिए द्वितीयक विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं।
 3. तृतीयक विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं।
 4. चतुर्थक विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं।
 5. पंचमक विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं।

2. निम्नलिखित विधियों में से कौन-कौन सी विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं?

1. निम्नलिखित विधियों में से कौन-कौन सी विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं?

2. निम्नलिखित विधियों में से कौन-कौन सी विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं?

3. निम्नलिखित विधियों में से कौन-कौन सी विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं?

4. निम्नलिखित विधियों में से कौन-कौन सी विधियाँ प्रयुक्त की जाती हैं?

SHOT ON REDMI Y3 AI DUAL CAMERA

4) सामान्य वितरण में कौन से मान हैं :-

- (A) माध्यिका तथा शून्य (B) समुच्चय
- (C) शून्य तथा माध्यिक (D) शून्य

5) पैरामीट्रिक विधि (Parametric statistics) के लिए निम्नलिखित धारणाएँ (Postulate) हैं :-

- (A) सामान्य वितरण (Normal distribution)
- (B) नमूनों की स्वतंत्रता (Independence of sample)
- (C) समान नमूना-माप वितरण (Same sampling variance)
- (D) यादृच्छिक नमूना विधि (Random sampling method)

